SUB :- हिन्दी

कुल संख्या - 80

प्रश्न-1 अ निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्य में उत्तर लिखिए। (किन्हीं 6) (12)

(1) बिच्छू को क्यों पछतावा हुआ?
उ नन्ही ने बिच्छू को बचाया। बिच्छू ने उसे डंक मारा तो भी उसने बिच्छू को दूसरी बार भी बचाया। नन्ही की भलाई के सामने अपने दुर्गुण को देखकर बिच्छू को पछतावा हुआ।

(2) क्या दीपावली पर पटाखें छुड़ाने चाहिए? क्यों?
उ दीपावली पर पटाखें छुड़ाने चाहिए क्योंकि दीपावली वर्षाऋतु के बाद आती है। पटाखे छोड़ने से वर्षाऋतु में उत्पन्न हुए जंतुओं का नाश होता है और वातावरण शुद्ध होता है।

(3) राजाभोज ने किसान के पास जाकर क्या कहा?
उ राजा भोज ने किसान के पास जाकर कहा, "भले आदमी, तुम यह क्या अत्याचार कर रहे हो? भला कहीं स्त्री को भी हल में जोता जाता है?"

(4) हिरनी के बारे मे तीन-चार वाक्य लिखिए।
उ हिरनी जंगल मे रहती है। हिरनी घास खाती है। हिरनी अपने बच्चे को प्यार करती है। हिरनी की आँखे सुंदर होती है। हिरनी दौड़ने, छलांग मारने में कुशल होती है। हिरनी का शरीर फुर्तीला होता है। हिरनी शाकाहारी प्राणी है। हिरनी के बच्चे को 'शावक' कहते है।

(5) राजा भोज किसान से क्यों प्रभावित हुए?
उ राजा भोज किसान से प्रभावित हुए, क्योंकी किसान ने सारे मोती राजकोष मे जमा करने और गरीबों की भलाई के लिए खर्च करने की बात कही थी।

(6) शब्दों मे लिखिए।
(1) 64 = चौंसठ (3) 83 = तिरासी
(2) 77 = सतहत्तर (4) 82 = बयासी

7 नन्ही ने बिट्टू को क्यों बचाया ?
उ नन्ही का स्वभाव संकट में फँसे हुए प्राणी को बचाना था। इसलिए उसने बिट्टू को बचाया।

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।
(किन्हीं चार) [04]

(1) हिरनी के बच्चे को क्या कहते है ?
उ हिरनी के बच्चे को शावक कहते है।

(2) नन्ही कौन थी ?
उ नन्ही एक छोटी बतख थी।

(3) रेशमा ने गोलू को धक्का क्यों मारा ?
उ गोलू को जलते पटाखे से बचाने के लिए रेशमा ने गोलू को धक्का मारा।

(4) किसान खेती करके कौन-कौन सी फसलें पैदा करते है।
उ किसान खेती करके गेहूँ, बाजरा, मक्का, ज्वार, चावल अरहर, मूँग, मूँगफली, आदि फसलें पैदा करते हैं।

(5) भू-तल के रखवाले कौन है।
उ पर्वत भू-तल के रखवाले है।

प्र.2-अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखिए।
(किन्हीं चार) (08)

(1) 'हमारा जीवन सुख-दुःख की एक कहानी है" ऐसा कवि ने क्यों कहा है ?
उ 'हम सभी के जीवन में सुख-दुःख आते रहते है। इसलिए हमारा सुख-दुःख एक समान है ऐसा कवि ने कहा है।

(2) आपके आसपास कौन-कौन-से फूल दिखाई देते है ?
उ हमारे आसपास कमल, जूही, चंपा, मोगरा, गुलाब, कनेर, गेंदा, बारहमासी आदि फूल दिखाई देते है।

(3) 'धरती की महकाईं' काव्य का भावार्थ लिखिए।
उ 'धरती की महकाईं' काव्य में कवि फूल, सूरज और दिपक का उदाहरण देकर यह कहते हैं कि हमें किसी भी परिस्थिति में प्रसन्नता से अपना काम करना चाहिए और अपनी धरतीमाता को ज्यादा से ज्यादा सुंदर बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

4

(4) 'एक जगत, एक लोक' काव्य में प्रकृति के कौन - कौन से तत्व है।
उ 'एक जगत, एक लोक' काव्य में प्रकृति के ये तत्व हैं:- सूर्य, पेड़, धरती, आकाश और हवा।

(5) 'एक रक्त' का अर्थ समझाइए।
उ इस धरती पर भिन्न - भिन्न धर्म और जाति के मनुष्य रहते है। इन मनुष्यों का धर्म, जाति, दिखावा, अलग-अलग है लेकिन इन सबके शरीर के लहू का रंग लाल है। रंग की समानता पूरी मनुष्यजाति को एक बनाती है।

ब निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए (किन्हीं चार) (04)

(1) हमारा धर्म क्या होना चाहिए?
उ हमारा धर्म प्रगति, न्याय, और मानवता होना चाहिए।

(2) प्रकृति से हमें क्या - क्या मिलता है?
उ प्रकृति से हमें पानी, प्रकाश और हवा मिलती है।

(3) अंधकार को कौन दूर भगाता है?
उ अंधकार को सूरज की किरणें दूर भगाती है।

(4) सबका रक्त कैसा है?
उ सबका रक्त लाल है।

(5) बगिया के फूलों से हमे क्या सीख मिलती है।
उ बगिया के फूलों से हमे दुःख में भी हँसते रहने की शिख मिलती है।

क काव्यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए [04]

दीपक को देखो कैसे यह,
हरदम जलता रहता है।
अपना अंतर जला - जलाकर
रोशन जग को करता है।

आओ हम भी ऐसा बनकर
जग में अपना नाम कमाएँ।
अच्छे - सच्चे काम करें और
सारी धरती को महकाएँ।

प्रश्न - 3 सूचना अनुसार कीजिए !

अ समानार्थी शब्द लिखिए। [2]
(1) नदी - सरिता
(2) हस्त - हाथ / पाणि

ब विरुद्धार्थी शब्द लिखिए। [2]
(1) बहुत x थोड़ा
(2) जन्म x मरण

क लिंग बदलिए। [2]
(1) मोर - मोरनी
(2) हिरन - हिरनी

ड वचन बदलिए। [2]
(1) आँख - आँखें
(2) लड़का - लड़के

ई निम्नलिखित वाक्य में से सर्वनाम बताइए। (02)
(1) टाल में कुछ पड़ा हुआ है।
→ कुछ
(2) आप कहाँ जा रहे हैं?
→ आप

ई निम्नलिखित वाक्य में से विशेषण बताइए। (02)
(1) नीम की पत्तियाँ कड़वी लगती है।
→ कड़वी
(2) रेशमा हिम्मतवाली लड़की है।
→ हिम्मतवाली

उ शब्दसमूह के लिए एक शब्द दीजिए (02)
(1) नया जीवन देना
→ जीवन दान
(2) दूसरे का भला करनेवाला
→ परोपकारी

ऊ मुहावरे के अर्थ दीजिए (02)
(1) थिरकने लगना :- खुशी से नाचने लगना
(2) आँखों का तारा होना :- बहुत प्यारा होना

प्रश्न-4 (अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (04)

(1) हिरनी को टाँग में गोली लगी।
(2) शब्दों में हृदय यही कर्म हमारा।
(3) बिच्छू डंक से पानी-पानी हो गया।
(4) हर्ष भरे आए हम राम सुहाने।

ब सही वाक्य चुनकर विधानों को फिर से लिखिए। (04)

(1) रेशमा पहिएवाली कुरसी का उपयोग करती थी क्योंकि - - -
→ रेशमा के पाँव बेजान हो गए थे।
(2) किसान ने सारे मोती
→ राजा भोज के चरणों में रख दिए।
(3) दूसरे बैल के स्थान पर
→ किसान की पत्नी हल खींचती थी।
(4) नन्ही पीड़ा से तड़प उठी क्योंकि - - -
→ बिच्छू ने उसे डंक मारा था।

[क] ✓ या X चिन्ह लगाइए। [04]

(1) रेशमा पटाखे से लग गई — [X]
(2) शिकारी ने लोमड़ी का शिकार किया [X]
(3) मानवता हमारा धर्म है। [✓]
(4) नन्ही प्रसन्न होकर थिरकने लगी [✓]

[ड] निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए [04]

→ पाठ -3 पान नं :- 21
देवताओं का अभिवादन - - - -
- - - - विनाश का कोई उपाय बताइए।"

प्रश्न
(1) देवताओं का अभिवादन किसने स्वीकार किया?
ज देवताओं का अभिवादन ब्रह्माजी ने स्वीकार किया।
(2) असुरों के बारे में इन्द्र ने क्या कहा?
ज असुरों के बारे में इन्द्र ने कहा "पितामह, हम वृत्रासुर से त्रस्त हैं। अपनी प्राणरक्षा करना हमारे लिए कठिन हो रहा है।"
(3) देवताओं को क्या करना कठिन हो रहा है।
ज देवताओं को अपनी प्राणरक्षा करना कठिन हो रहा है।
[4] देवता ब्रह्माजी के पास क्यों गए?
ज देवता ब्रह्माजी के पास वृत्रासुर का नाश करने का उपाय पूछने गए।

प्रश्न-5 अ मातृभाषा में अनुवाद लिखिए [03]
पाठ :- 8 - राजा का हिस्सा
Page No :- 53
राजा भोज तेनी साथे- साथे चालवा लाग्या. पोताना काम प्रत्ये खेडुत नी निष्ठा जोई राजा खूब ज प्रभावित थया. तेओ बोल्या, "भला माणस! आम तो तारी पत्नी थाकी जशे अने थाक ने कारणे बीजुं कोई काम करी शकशे नहि."

ख कहानी लेखन [05]

- शीर्षक - कौआ और लोमड़ी
- बोध - हमें किसी की बातों में नहीं आना चाहिए।
→ चित्र के आधार पर कहानी -
→ क्रमबद्धता, भाषाशुद्धि, वर्तनी ध्यान रखें।

क निबंध लिखिए। (एक) [08]
(1) वर्ल्डकप
(2) मेरा प्रिय त्यौहार

→ प्रस्तावना, महत्व, पूर्वतैयारी
विषयवस्तु
क्रमबद्धता
वर्तनी
भाषाशैली
उपसंहार

→ कस्तूरबा कन्या विद्यालय
उच्चतर प्राथमिक विभाग
जोशी भग्यावती डी.
M. 7048410258